

श्रीमान् पत्रावली स्वामी व वकीलवादी के आदेशों
 पाश्चिमात् से लख बी गरी, वकीलवादी व
 स्वामी ने एक पाठ पत्रावली का निवेदन
 किया की वादी व पत्रावली के मध्य आपसी
 शान्तिता हो जाते है वादी उम्ह वाद पत्र में
 ये आब आगे कोई कामवादी नहीं चाहते
 का निवेदन किया, पत्रावली का अधलोका
 किया वादी की बात पर मनन किया
 प्रकरण में वादी स्वयं उम्ह वाद पत्र में
 अब आगे कोई कामवादी नहीं चाहते है
 वादी के वाद की कामवादी हमी हर पर
 समाप्त की जाती है। पत्रावली के सल २३५।
 लख बी नमस्कार से काम है।

साँवर मल

१२७
 उपस्थित अधिकारी पद
 कायम कायदा कायदा